भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2135
दिनांक 12 फरवरी, 2026

इथेनॉल मिश्रण में वृद्धि

†2135. **डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:**
श्री तमिलसेल्वन थंगाः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ईंधन में प्रति लीटर बीस प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का अपना लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया है और क्या राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के अंतर्गत इथेनॉल मिश्रण 2014 में मात्र डेढ़ प्रतिशत से बढ़कर 2025 में बीस प्रतिशत हो गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 2014 में डेढ़ प्रतिशत से बढ़कर 2025 में बीस प्रतिशत तक इथेनॉल मिश्रण में वृद्धि सरकार द्वारा गन्ना उद्योग को दिए गए मजबूत वित्तीय प्रोत्साहनों के कारण हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इथेनॉल मिश्रण से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती, किसानों की आय में वृद्धि और भारत के तेल आयात बिल में कमी जैसे कई लक्ष्य प्राप्त होते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था पर इथेनॉल मिश्रण के प्रभाव का संज्ञान लिया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ईंधन में प्रति लीटर बीस प्रतिशत इथेनॉल मिलाने के परिणामस्वरूप देश में ईंधन की कीमतों को कम करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेगी, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख) सरकार ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के अन्तर्गत पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को प्रोत्साहित किया है। राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति 2018, वर्ष 2022 में यथासंशोधित, में अन्य बातों के साथ-साथ, पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को वर्ष 2030 से घटाकर एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 (1 नवंबर, 2025 से 31 अक्टूबर, 2026) तक कर दिया। सरकार के समन्वित प्रयासों के कारण दिसंबर 2025 में 20% का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप ईएसवाई 2013-14 में पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण 38 करोड़ लीटर से बढ़कर ईएसवाई 2024-25 में 1000 करोड़ लीटर से अधिक हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने जून 2022 में, अर्थात् ईएसवाई 2021-22 के दौरान निर्धारित लक्ष्य से पांच महीने पहले, पेट्रोल में 10% एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके बाद, एथेनॉल

मिश्रण का स्तर ईएसवाई 2022-23 में बढ़कर 12.06%, ईएसवाई 2023-24 में 14.60% और ईएसवाई 2024-25 में 19.24% हो गया। ईएसवाई 2025-26 के दौरान, दिनाँक 31.12.2025 की स्थिति के अनुसार, 179 करोड़ लीटर से अधिक एथेनॉल का मिश्रण किया गया है, जिससे पेट्रोल में एथेनॉल का औसत मिश्रण 20% तक पहुंच गया है।

सरकार ने देश में 20% एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के लक्ष्य को प्राप्त करने के निमित्त एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने हेतु कई कदम उठाए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ एथेनॉल उत्पादन हेतु फीडस्टॉक का विस्तार, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत एथेनॉल अधिप्राप्ति हेतु प्रशासित मूल्य व्यवस्था, ईबीपी कार्यक्रम के लिए एथेनॉल संबंधी जीएसटी दर को घटाकर 5% करना, वर्ष 2018-22 के दौरान विभिन्न एथेनॉल ब्याज अनुदान योजना (ईआईएसएस) की शुरुआत करना, सहकारी चीनी मिलों के लिए एक समर्पित अनुदान योजना, ताकि मौजूदा गन्ना आधारित डिस्टिलरी को शीरा के साथ-साथ खाद्यान से एथेनॉल उत्पादन हेतु बहु-फीडस्टॉक संयंत्रों में परिवर्तित किया जा सके, ओएमसीज और समर्पित एथेनॉल संयंत्रों के बीच 233 दीर्घकालिक ऑफटेक समझौतों (एलटीओएज) पर हस्ताक्षर करना, ईएसवाई 2025-26 के लिए एथेनॉल उत्पादन हेतु 72 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) अधिशेष भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) चावल का आवंटन, ईएसवाई 2024-25 के लिए एथेनॉल उत्पादन हेतु 40 एलएमटी चीनी का विपथन तथा ईएसवाई 2025-26 हेतु गन्ने का रस/चीनी सिरप, बी-हैवी शीरा के साथ-साथ सी-हैवी शीरा से एथेनॉल का अप्रतिबंधित उत्पादन, लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास और अन्य नवीकरणीय फीडस्टॉक का उपयोग करके देश में उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं की स्थापना करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से "प्रधानमंत्री जी-वन (जैव ईंधन-वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना" को अधिसूचित करना, एथेनॉल के मल्टीमॉडल परिवहन तथा एथेनॉल के उच्च मिश्रणों के रखरखाव हेतु अन्य संबद्ध बुनियादी ढांचे के साथ एथेनॉल भंडारण क्षमता बढ़ाना, शामिल है।

(ग) और (घ) ईबीपी कार्यक्रम के परिणामस्वरूप एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2014-15 से दिसंबर 2025 तक किसानों को 1,43,822 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है, इसके अलावा 1,63,395 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत, लगभग 832 लाख मीट्रिक टन सीओ2 की निवल कमी और 277 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का प्रतिस्थापन हुआ है।

(ङ) विगत वर्षों में एथेनॉल का अधिप्राप्ति मूल्य बढ़ रहा है। एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 के लिए, एथेनॉल की औसत अधिप्राप्ति लागत 71.55 रुपए प्रति लीटर (परिवहन और जीएसटी मिलाकर) है, जो रिफाइनरियों में उत्पादित पेट्रोल से अधिक है।

पेट्रोल (एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सहित) का मूल्य दिनाँक 26.06.2010 से बाजार निर्धारित किया गया है। तब से, ओएमसी अन्य बातों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय उत्पाद के मूल्यों, घरेलू बाजार की स्थितियों आदि के आधार पर पेट्रोल के मूल्य निर्धारण के लिए सुसंगत निर्णय लेती हैं।

*****